DATE 13.4.23
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School :, Chandigarh

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिन्दी साहित्य (पाठ-2)

पुस्तक - नवतरंग भाग-8

पाठ-2 'बड़े भाई साहब' (कहानी) लेखक - प्रेमचंद

प्रश्नोत्तर पाठ बोध

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो-

उत्तर (क) 'बड़े भाई साहब' कहानी के नायक छोटा भाई अर्थात् लेखक मुंशी प्रेमचंद स्वयं ही हैं। लेखक छोटे भाई के व्यक्तित्व से यह सिद्ध करना चाहते हैं कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ शारीरिक विकास व मानसिक विकास दोनों ही आवश्यक हैं। कहानी में लेखक जिस प्रकार पढ़ने के साथ-साथ खेलकूद में भी रुचि लेते हैं और शिक्षा को बोझ न समझकर सहज भाव से ग्रहण करते हैं, उसी प्रकार हमें भी खेल और पढ़ाई में सन्तुलन बनाए रखना चाहिए।

उत्तर (ख) 'बड़े भाई साहब' कहानी में छोटे भाई और बड़े भाई के स्वभाव में काफ़ी अंतर था। एक ओर जहाँ बड़े भाई साहब सारा दिन पुस्तक खोलकर बैठे रहते थे, वहीं लेखक मौका पाते ही होस्टल के कमरे से निकलकर मैदान में खेलने चले जाते थे। दोनों भाई परिवार से अलग रह रहे थे। इसलिए भाईसाहब बड़े होने के नाते अपनी ज़िम्मेदारी खूब समझते थे। भाईसाहब यह सोचते थे कि छोटा

Scanned with CamScanner

DATE 13.4.23
PAGE No. 2

कुंजी

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-2)

भाई खेल-कूद से ध्यान हटाकर केवल पढ़ाई पर ही ध्यान दे। यही कारण था कि वे लेखक को खेलने-कूदने से बार-बार रोकते-टोकते रहते थे।

उत्तर (ग) इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं अपनी सोच के अनुसार लिखेंगे।

विस्तार से -

उत्तर (क) भाई साहब बहुत परिश्रमी थे। वे हर समय किताबें खोलकर बैठे रहते थे। वे एक ही वाक्य को बीस बार लिख देते थे। कभी-कभी वे अपनी कॉपी - किताबों पर शायद दिमाग को आराम देने के लिए चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों के चित्र बनाते रहते थे, जिनका पढ़ाई से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं था। वे पढ़ाई को कठिन एवं असाध्य मानते थे। इसलिए वे खेल-कूद में हिस्सा नहीं लेते थे। वे हमेशा अपने दिमाग पर बोझ बनाकर रखते थे। अतः वे पढ़ाई करने के बाद भी परीक्षा में फेल हो जाते थे।

उत्तर-(ख) जब छोटा भाई कक्षा में प्रथम आया और बड़े भाईसाहब फ़ेल हो गए। तब बड़े भाई साहब ने छोटे भाई को समझाते हुए कहा कि भले ही तुम पढ़ाई में मुझसे आगे निकल जाओ - लेकिन मुझमें और तुममें जो पाँच साल का अंतर है, उसे कोई नहीं बदल सकता। जीवन का अनुभव मायने रखता है, किताबें नहीं। मेरा भी मन खेलने को करता है पर बड़े होने के नाते सबको मुझसे अपेक्षाएँ हैं और तुम्हारा ध्यान रखना, तुम्हें सही रास्ते पर लाना मेरा कर्तव्य है। बड़े भाई साहब की बातें सुनकर छोटा भाई लज्जित हुआ। उसने बड़े भाईसाहब

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा- आठवीं **शिक्षिका** - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-2)

से कहा कि आप बड़े हैं, आपका हक है मुझे डाँटने-फटकारने का। तभी भाईसाहब गुज़रती हुई पतंग की डोर थामे दौड़ने लगे। उन्हें लगता था कि छोटा भाई उनकी बातों का मान नहीं रखता पर आज यह उसकी बात उनके मन को छू गई। उन्हें तसल्ली हुई कि छोटा भाई आज भी बड़े भाई का सम्मान करता है।

उत्तर/ग) लेखक का मन पढ़ाई में कम खेल-कूद में ज़्यादा था। जब खेल-कूद के बाद लेखक होस्टल के कमरे में घुसते, तब बड़े भाई साहब की फटकार सुनकर वे मन बना लेते कि आगे से मन लगाकर पढ़ेंगे। यही सोचकर और पढ़ने का निश्चय करके वे झटपट से टाइम-टेबिल (समय-सारिणी) बना लेते, जिसमें रात ग्यारह बजे तक हर विषय को पढ़ने का कार्यक्रम बनाया जाता और उसमें खेल-कूद का कोई स्थान नहीं दिया जाता। लेखक द्वारा टाइम-टेबिल तो बन जाता परन्तु वे कुछ समय के लिए भी उस पर अमल नहीं कर पाते क्योंकि मैदान की सुखद हरियाली, पतंगबाजी, फुटबॉल आदि खेल लेखक को अपनी ओर खींचते और वहाँ पहुँचते ही लेखक सब कुछ भूल जाते।

* सब बच्चे इन प्रश्नोत्तर को अपनी साहित्य की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे और याद भी करेंगे।

————————

(अंतिम पृष्ठ)

Scanned with CamScanner